an>

Title:Need to ensure appropriate remunerative price to the wheat farmers in Haryana.

श्री दुÂयंत चौटाला (हिसार) : उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में धान की जो खरीद हुई है, उसके मामले को उठाने मैं आज आपके बीच आया हूं।...(व्यवधान) इस वÂान हरियाणा प्रदेश में 42 लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई। केन्द्र सरकार द्वारा 1400-1450 रुपए धान का एम.एस.पी. सेट किया गया।...(व्यवधान) हरियाणा प्रदेश के अंदर धान के अंदर नमी दिखाते हुए किसानों से 100-200 रुपए प्रति क्विंटल कम के भाव में धान उठाए गए।...(व्यवधान) प्रदेश सरकार द्वारा धान खरीदी तो गयी, लेकिन अगर किसानों से 100 रुपए कम दाम में यह धान खरीदी गयी, तो इसके अंदर लगभग 10,000 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है, जिसके अंदर कई अधिकारी, कर्मचारी व राजनेता मिले हुए हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र की सरकार से यह मांग करता हूं कि जहां धान की खरीद में इतनी बड़ी धांधली हुई है, वहां उस पर एक एस.आई.टी. बनाकर इस पूरे मामले की जांच करे, क्योंकि 1450 रुपए प्रति क्विंटल के धान को 1250 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से खरीदा गया। आज वही धान 3100-3200 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से एक्सपोर्ट किया जा रहा है। इस तरह व्यापारियों द्वारा किसानों की जेब से करोड़ों रुपए छीने गए हैं।

मेरी यह मांग है कि किसान को वह पैसा किसी न किसी तरह लौटाया जाए और जो दोÂाल हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देने का काम सरकार करे।